GSEB Std 10 Hindi Textbook Solutions Chapter 20 अलबम

GSEB Class 10 Hindi Solutions अलबम Textbook Questions and Answers

स्वाध्याय

1. निम्नलिखित प्रश्नों के नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए :

प्रश्न 1.

पंडित शादीराम अपना ऋण क्यों नहीं उतार पाते थे ?

(अ) वे अत्यंत गरीब थे ।

(ब) बचे हुए पैसे किसी न किसी तरह खर्च हो जाते थे ।

(क) रुपये देने की उनकी दानत ही नहीं थी ।

(ड) पैसे देने जितनी रकम इकट्ठी ही नहीं होती थी ।

उत्तर :

(ब) बचे हुए पैसे किसी न किसी तरह खर्च हो जाते थे ।

प्रश्न 2.

शादीराम पुरानी पत्रिकाएँ बेचते नहीं थे क्योंकि .....

(अ) उनकी कोई ज्यादा रकम नहीं मिल सकती थी ।

(ब) उनके भाई की अमानत थी ।

(क) उनके रोते हुए बच्चे उनमें के चित्रों को देखकर चुप हो जाते थे ।

(ड) पत्रिकाएँ उन्हें बहुत प्रिय थीं ।

उत्तर :

(क) उनके रोते हुए बच्चे उनमें के चित्रों को देखकर चुप हो जाते थे ।

प्रश्न 3.

सदानंद के कहने पर शादीराम ने पत्रिकाओं के चित्रों का क्या किया ?

(अ) बेच दिए

(ब) अलबम बनाया

(क) बच्चों को बाँट दिये

(ड) दीवारों पर सजा दिये

उत्तर :

(ब) अलबम बनाया

प्रश्न 4.

पंडित शादीराम को अलबम के कितने रुपये मिले ?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(अ) एक हजार
(ब) दो सौ
(क) दो हजार
(ड) एक सौ
उत्तर :
इस प्रश्न का उत्तर कहानी में नहीं है।

प्रश्न 5.
सदानंद का मन प्रसन्नता से नाच उठा क्योंकि .....
(अ) उन्हें अपने पैसे वापस मिल गए ।
(ब) पंडित शादीराम की उदारता और सज्जनता के कारण ।
(क) परमात्मा ने उनकी बात स्वीकार कर ली ।
(ड) मारवाड़ी सेठ ने अलबम खरीद लिया था ।
उत्तर :
(ड) मारवाड़ी सेठ ने अलबम खरीद लिया था ।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

प्रश्न 1.
पंडित शादीराम के बचाए हुए अस्सी रुपये किसमें खर्च हो गये ?
उत्तर :
पंडित शादीराम के बचाए हुए अस्सौ रुपये लड़के की बीमारी में खर्च हो गए।

प्रश्न 2.
पंडित शादीराम पुरानी पत्रिकाएँ क्यों नहीं बेच देते थे ?
उत्तर :
पंडित शादीराम के स्वर्गीय बड़े भाई के समय की पत्रिकाओं को देखकर रोते बच्चों के आंसू थम जाते थे। इसलिए पंडित शादीराम पुरानी पत्रिकाएँ नहीं बेचते थे।

प्रश्न 3.
सदानंद ने शादीराम को पुरानी पत्रिकाओं से क्या करने की सलाह दी ?
उत्तर :
लाला सदानंद ने शादीराम को पुरानी पत्रिकाओं से अच्छीअच्छौ तस्वीरें अलग छोट लेने की सलाह दी।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रश्न 4.
लाला सदानंद की बीमारी के समय पंडित शादीराम किस तरह सेवा करते थे ?
उत्तर :
पंडित शादीराम लाला सदानंद के लिए दिन-रात माला फेरते थे। यही उनकी औषधी थी जिसे वे अपनी आत्मा की पूरी शक्ति और मन से कर रहे थे।

प्रश्न 5.
'अलबम सेठ से मैंने मँगवा लिया है ।' - ऐसा सदानंद ने शादीराम से क्यों कहा ?
उत्तर :
शादीराम ने सदानंद के सिरहाने अलबम देख लिया था। इसलिए वह अलबम छीनकर सदानंद ने शादीराम से कहा कि अलबम सेठ से मैंने मंगवा लिया है' ताकि उन्हें शंका न हो।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

प्रश्न 1.
पंडित शादीराम कर्ज अदा करने के लिए क्यों बेचैन थे ?
उत्तर :
पंडित शादीराम ने कई साल पहले लाला सदानंद से कर्ज लिया था। पर भले मानस लाला सदानंद कभी उनसे पैसों का तकादा नहीं करते थे। पंडित शादीराम पेट काट-काटकर पैसे बचाते, फिर भी कोई-न-कोई काम निकल आता कि सारा पैसा उड़ जाता। इस कारण शादीराम कर्ज अदा करने के लिए बेचैन थे।

प्रश्न 2.
लाला सदानंद ने शादीराम की समस्या का क्या हल निकाला ?
उत्तर :
कर्ज को लेकर परेशान शादीराम की समस्या का हल निकालने के लिए लाला सदानंद ने शादीराम के घर पर पड़ी सुंदर तस्वीरोंवाली पत्रिकाओं से अच्छी-अच्छी तस्वीरें छांटने के लिए उनसे कहा। इन तस्वीरों का अलबम बनाकर विज्ञापन देने पर कलकत्ते के मारवाड़ी सेठ ने पत्र लिखकर यह अलबम खरीद लिया। इस तरह लाला सदानंद ने शादीराम की समस्या का हल निकाला।

प्रश्न 3.
शादीराम ने अपना कर्ज कैसे चुकाया ?
उत्तर :
कर्ज को लेकर परेशान शादीराम को कर्ज से मुक्त करने के लिए लाला सदानंद ने शादीराम के घर पर पड़ी सुंदर तस्वीरोवाली पत्रिकाओं से अच्छी-अच्छी तस्वीरें छाँटने के लिए उनसे कहा। इन

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

तस्वीरों का अलबम बनाकर विज्ञापन देने पर कलकते के मारवाड़ी सेठ ने पत्र लिखकर यह अलबम खरीद लिया। उन पैसों से शादीराम ने अपना कर्ज चुका दिया।

प्रश्न 4.
पंडित शादीराम लाला सदानंद से यह क्यों न कह सके कि वे झूठ बोल रहे हैं ?
उत्तर :
रोगी लाला सदानंद के सिरहाने अलबम देखकर पंडित शादीराम समझ गए कि किसी सेठ ने नहीं बल्कि लाला सदानंद ने खरीदा था। होश आने पर लाला सदानंद ने कहा कि सेठ से उन्होंने अलबम मंगवा लिया। इस पर पंडित शादीराम समझ गए कि लाला सदानंद झूठ बोल रहे हैं लेकिन पहले से भी अधिक सज्जन, अधिक उपकारी और उच्च मनुष्य से वे यह कह न पाए।

प्रश्न 5.
शादीराम का ऋण उतरने की बजाय दुगुना क्यों हो गया ?
उत्तर :
पंडित शादीराम की कर्ज मुक्ति के लिए अलबम बनवाकर लाला सदानंद ने मारवाडी सेठ को बिकवा दिया। इन पैसों से पंडित शादीराम ने लाला सदानंद का कर्ज उतार दिया। जब पंडित शादीराम ने जाना कि अलबम मारवाडी सेठ के बजाय लाला सदानंद ने खरीदा है, तब वे समझ गए कि पहले का कर्ज तो अदा नहीं हुआ और इस अलबम के लिए दिए गए पैसों के रूप में कर्ज बड़कर दुगुना हो गया।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के चार-पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए :

प्रश्न 1.
पंडित शादीराम के दिल में क्यों शांति नहीं थी ?
उत्तर :
पंडित शादीराम गरीब थे, पर दिल के बुरे न थे। उन्हें अपने यजमान लाला सदानंद से लिया गया कर्ज बोझ के समान लगता था। वे चाहते थे कि जिस तरह भी हो, उनका रुपया अदा कर दें। वैसे लाला सदानंद को इस रकम की ज्यादा परवाह न थी। वे चाहते थे कि शादीराम रुपए देने की कोशिश न करें। उन्होंने इसके लिए कभी तकादा तक नहीं किया था, पर शादीराम सोचते थे कि वे कुछ नहीं कहते, तो क्या हुआ, इसका मतलब यह थोड़े ही है कि मैं भी निश्चिंत हो जाऊँ! इसलिए शादीराम के दिल में शांति न थी।

प्रश्न 2.
पंडित शादीराम खुशी से क्यों झूमने लगा ?
उत्तर :
लाला सदानंद ने पंडित शादीराम से अलबम बनाने के लिए पत्रिकाओं से अच्छी तसवीरे छाँटने के

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

लिए कहा, तो उन्हें विश्वास नहीं हुआ कि उनका यह प्रयत्न सफल होगा। लेकिन जब सौ-दो सौ बढ़िया चित्र जमा हो गए, तो उन्हें देखकर वे उछल पड़े। वे चित्रों की ओर इस तरह देखते जैसे हर चित्र दस-दस का नोट हो। यद्यपि आशा अभी दूर थी, पर लाला सदानंद की दी हुई आशा पर अब उन्हें पूरा विश्वास हो गया। इसलिए पंडित शादीराम भविष्य की कल्पना करते हुए खुशी से झूमने लगे।

प्रश्न 3.
लाला सदानंद ने शादीराम से रुपये लेने से मना क्यों दिया ?
उत्तर :
टिप्पणी : इस प्रश्न का उत्तर कहानी में नहीं है।

प्रश्न 4.
लाला सदानंद के चरित्र पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए ।
उत्तर :
लाला सदानंद एक सज्जन, भले मानस, संवेदनशील और दूसरों की मदद करनेवाले व्यक्ति हैं। उन्होंने कई वर्ष पहले अपने पुरोहित पंडित शादीराम को कर्ज दिया था, लेकिन इतने दिनों बाद भी उन्होंने शादीराम से पैसों का कभी तकादा नहीं किया, बल्कि उनकी विवशता को देखते हुए वे चाहते थे कि वे रुपए न लौटाएं तो अच्छा हो। दूसरों की मदद करने में भी वे पीछे नहीं रहते।

पंडित शादीराम की सहायता करने के उद्देश्य से ही उन्होंने उनसे पत्रिकाओं से अच्छे चित्र छांटकर जमा करने के लिए कहा था। उन्होंने चित्रों से स्वयं अलबम बनाया, विज्ञापन दिया और किसी सेठ के नाम से पत्र भेजकर अलबम स्वयं अपने पास रखकर शादीराम को रुपए दिलाए। यह सब उन्होंने इसलिए किया, ताकि शादीराम के आत्मसम्मान पर आंच न आए और उन्हें यह लगे कि रुपए उन्हें अपनी चीज के मूल्य के रूप में मिले हैं, दान में नहीं। इतना ही नहीं, अपने घर में पंडित शादीराम के हाथ में अलबम देखकर वे उनका विश्वास बनाए रखने के लिए झूठ बोलते हैं कि 'अलबम अब उन्होंने सेठ साहब से मंगवा लिया है।'

5. सूचनानुसार लिखिए :

प्रश्न 1.
पर्यायवाची शब्द दीजिए :

1. हाथ - .....
2. आँख - .....
3. ऋण - .....
4. अंधकार - .....

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

5. परमात्मा - .....

उत्तर :

1. हाथ - कर
2. आँख - नेत्र
3. ऋण - कर्ज
4. अंधकार - अंधियारा
5. परमात्मा - ईश्वर

प्रश्न 2.

विलोम (विरोधी) शब्द दीजिए :

1. ठंडी × .....
2. परवाह × .....
3. सज्जन × .....
4. जीवित × .....
5. निराशा × .....
6. सफल × .....
7. दया × .....

उत्तर :

1. ठंडी × गरमी
2. परवाह × लापरवाही
3. सज्जन × दुर्जन
4. जीवित × मृत
5. निराशा × आशा
6. सफल × असफल
7. दया × निर्दयता

प्रश्न 3.

निम्नलिखित वाक्यों में से भाववाचक संज्ञा खोजकर बताइए :

1. लाला सदानंद पंडितजी की विवशता को जानते थे, परंतु भलमनसी के सामने आँखें नहीं उठती थीं ।
2. पंडित शादीराम को अब कोई आशा नहीं थी ।
3. आपने जो दया और सज्जनता दिखाई है, उसमें मरते दम तक न भलँगा ।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

4. आप झूठ बोल रहे हैं ।

प्रश्न 4.
मुहावरों के अर्थ देकर वाक्य-प्रयोग कीजिए :

1. ठंडी आह भरना
2. पेट काट कर बचाना
3. भार उतारना

उत्तर :

1. ठंडी आह भरना - दुःखी होना वाक्य : लंबी बीमारी से परेशान मां ठंडी आह भरने लगी।
2. पेट काटकर बचाना - थोडे खर्च में काम चलाना वाक्य : मां ने पेट काटकर हमें पढ़ाया।
3. भार उतरना - जिम्मेदारी से छुटकारा पाना वाक्य : कर्ज उतरते ही सेठ के सिर से भार उतर गया।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in